बच्चों के कैंसर

कैंसर के इलाज के लिए आवश्यक जानकारी

बाल अर्बुद विज्ञान प्रभाग
बाल रोग विभाग
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, एम्स

इन्डियन जर्नल आफ पीडियाट्रिकस

कैंसर क्या है?

कैंसर शब्द ऐसे रोगों के लिए प्रयुक्त किया जाता है जिसमें असामान्य कोशिकाएं बिना किसी नियंत्रण के विभाजित होती हैं और वे अन्य ऊतकों पर आक्रमण करने में सक्षम होती हैं। कैंसर की कोशिकाऐं रक्त और लसीका प्रणाली के माध्यम से शरीर के अन्य भागों में फैल सकती हैं।

शरीर कई प्रकार की कोशिकाओं से बना होता है। सभी प्रकार के कैंसर कोशिकाओं में शुरू होते है, जो शरीर में जीवन की बुनियादी इकाई होती हैं। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए ये कोशिकाओं वृद्धि करती हैं और नियंत्रित रूप से विभाजित होती हैं। कोशिकाएं जब पुरानी या क्षतिग्रस्त हो जाती हैं, तो वे मर जाती हैं और उनके स्थान पर नई कोशिकाएं आ जाती हैं।

हालांकि कभी कभी यह व्यवस्थित प्रक्रिया गलत हो जाती है। जब किसी सेल की आनुवंशिक सामग्री (डीएनए) क्षतिग्रस्त हो जाती है या बदल जाती हैं, तो उससे उत्परिवर्तन (म्युटेशन) पैदा होता है, जो कि सामान्य कोशिकाओं के विकास और विभाजन को प्रभावित करता है। जब ऐसा होता है, तब कोशिकाएं मरती नहीं, और उसकी बजाए नई कोशिकाएं पैदा होती हैं, जिसकी शरीर को जरूरत नहीं होती। ये अतिरिक्त कोशिकाएं बड़े पैमाने पर ऊतक रूप ग्रहण कर सकती हैं, जो ट्यूमर कहलाता है। हालांकि सभी ट्यूमर कैंसर नहीं होते, ट्यूमर सौम्य या घातक हो सकता हैं।

सौम्य ट्यूमर (Benign tumors): ये कैंसर वाले ट्यूमर नहीं होते। अक्सर शरीर से हटाये जा सकते है और ज्यादातर मामलों में, वे फिर वापस नहीं आते। सौम्य ट्यूमर में कोशिकाएं शरीर के अन्य भागों में नहीं फैलते।

घातक ट्यूमर (Malignant tumors): ये कैंसर वाले ट्यूमर होते हैं, और इन ट्यूमरों की कोशिकाएं आसपास के ऊतकों पर आक्रमण कर सकती हैं तथा शरीर के अन्य भागों में फैल सकती हैं। कैंसर के शरीर के एक भाग से दूसरे फैलने के प्रसार को मेटास्टेसिस (metastasis) कहा जाता है।

- बच्चों के कैंसर का इलाज संभव है।
- कैंसर ठीक होने के बाद एक सामान्य जीवन व्यतीत कर सकते हैं।
- कैंसर एक संक्रामक बीमारी नहीं है।
- हमारे अस्पताल में कैंसर के इलाज़ की सभी सुविधाएं उपलब्ध है।
- इलाज के लिए सरकारी एवं गैर सरकारी संस्था की मदद ले सकते है।
- बेटियों /बच्चियों के कैंसर का इलाज अवश्य कराएं।

बच्चों में होने वाले विभिन्न प्रकार के कैंसर कौन से हैं?

ल्यूकीमिआ (ब्लड कैंसर)

यह सबसे आम प्रकार का बच्चों का कैंसर है। ल्यूकीमिआ अस्थि मज्जा का कैंसर है। इस रक्त कैंसर के दो मुख्य रूप हैं: एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिआ एवं एक्यूट मायलॉइड ल्यूकीमिआ।

- **एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिआ (ए एल एल):** बच्चों में होने वाले कैंसरों में सबसे आम प्रकार का कैंसर है। ल्यूकेमिया से पीड़ित लगभग ७५% बच्चों में ए एल एल होता है। ये हड्डियों के अंदर लिम्फॉइड कोशिकाओं में होने वाला कैंसर है। लिम्फॉइड कोशिकाएं, शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र में शामिल होतीं हैं।
- **एक्यूट मायलॉइड ल्यूकीमिआ (ए एम एल):** इसे एक्यूट नॉन लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिआ या एक्यूट मायलॉइड ल्यूकीमिआ या ए एम एल कहते हैं। ये शरीर में बैक्टीरिया से होने वाले संक्रमणों से लड़ने वाली मायलॉइड रक्त कोशिकाओं का कैंसर है जो हड्डियों के अंदर पैदा होतीं हैं।

न्यूरोब्लास्टोमा

ये सिम्पेथेटिक तंत्रिका तंत्र का कैंसर है जो कि आम तौर पर गुर्दे के ऊपर स्थित एड्रीनल ग्रंथि में पैदा होता है।

रेटिनोब्लास्टोमा

ये आँख के रेटिना (आँख के पीछे उपस्थित पतली झिल्ली) का फैलने वाला घातक कैंसर है।

सार्कोमा

सार्कोमाज़ में हड्डियां और कोमल ऊतक के कैंसर शामिल होते हैं।

हड्डी के कैंसर

- ✓ **ओस्टेओसार्कोमा :** ये हड्डियों के कैंसर का सबसे सामान्य प्रकार हैं। ये सामान्यतया शरीर की लम्बी हड्डियों के सिरे पर होते हैं जो जोड़ के पास हों।
- ✓ **ईविंग्स सार्कोमा :** ये आम तौर पर हड्डियों के बीच में होता है, और अंगों जैसे जाँघों, कूल्हे की हड्डियों, ऊपरी भुजा तथा पसलियों में होता है।

कोमल ऊतक सार्कोमा

- ✓ **रैब्डोमायोसार्कोमा :** कोमल ऊतकों का सार्कोमा, मांस पेशियों में होता है. आम तौर पर सर, गर्दन, गुर्दे, मूत्राशय, हाथों एवं पैरों में होता है।

यकृत के कैंसर

लिवर कैंसर जिगर की असामान्य वृद्धि (ट्यूमर) के रूप में उभरता है। बच्चों में सबसे आम जिगर कैंसर के प्रकार हैं:

- ✓ **हिपैटोब्लास्टोमा**
- ✓ **हिपैटोसेल्युलर कार्सिनोमा**

गुर्दे के कैंसर

- ✓ **विल्म्स ट्यूमर :** इन्हे नेफ्रोब्लास्टोमा भी कहते हैं।
- ✓ **क्लीयर सेल् सार्कोमा**

केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के कैंसर

✓मस्तिष्क ट्यूमर में सबसे आम ट्यूमर ग्लिओमा कहलाते हैं।

अन्य

जर्म सेल ट्यूमर : जर्म सेल ट्यूमर वृषण, अंडाशय, रीढ़ की हड्डी के निचले सिरे पर, मस्तिष्क, सीने या पेट के बीच में होते हैं।

सामान्य लक्षण

- अज्ञात कारणों से/लम्बे समय तक बुखार आना।
- शरीर में गांठों का संख्या/आकार में बढ़ना/गांठों का कई जगहों पर होना।
- आँख के बीच में सफ़ेद चमक का धब्बा, भेंगापन।
- अकारण वज़न में कमी आना।
- शरीर में पीलापन आना।
- बार बार खून चढाने की ज़रुरत पड़ना।
- शरीर में सूजन/गाँठ का बढ़ना।

कैंसर का जल्दी पता लगना क्यों महत्वपूर्ण है?

- उपचार के परिणाम बेहतर होते हैं।
- कम गहन उपचार होता है।
- दवाओं की कम विषाक्तता होती है।
- मरीज़ के बचने की बेहतर संभावना होती है।
- विकिरण और सर्जरी की ज़रुरत नहीं भी हो सकती है।
- कम खर्च होता है।
- जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है।
- कम देर प्रभाव होते हैं।

कैंसर के परीक्षण के लिए जरूरी जाँचें

कैंसर	परीक्षण के लिए जरूरी जाँचें
ल्यूकीमिआ (Leukemia)	➢हीमोग्राम (Hemogram) ➢पेरिफेरल स्मीयर (PS) ➢बोन मैरो (ऐस्पिरेशन एवं बायोप्सी) ▪मोर्फोलॉजी एवं इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री ▪फ्लोसयटोमेट्री (Flow cytometry) ▪साइटोजेनेटिक्स (Cytogenetics)
लिम्फोमाज़ (Lymphomas)	➢हॉजकिन्स लिम्फोमा (Hodgkin lymphoma) ▪बायोप्सी (Biopsy) ▪सी टी स्कैन (CT Scan) ▪पेट सी टी (PET CT) ▪बोन मैरो ± ➢नॉन -हॉजकिन्स लिम्फोमा (Non-Hodgkin lymphoma) ▪बायोप्सी (Biopsy) ▪सी टी स्कैन (CT Scan) ▪बोन मैरो (Bone Marrow) ▪पेट सी टी (PET CT)
एल सी एच (LCH)	▪हीमोग्राम (Hemogram) ▪लिवर फंक्शन टेस्ट (एल एफ टी) ▪बायोप्सी (Biopsy) ▪स्केलेटल सर्वे (Skeletal Survey) ▪सी टी स्कैन/अल्ट्रासाउंड ▪पेट सी टी (PET CT) ▪बोन मैरो ±
रेटिनोब्लास्टोमा (Retinoblastoma)	▪अल्ट्रासाउंड (Ultrasound) ▪एमआरआई (MRI) ▪बेहोश करके जांच (इ उ ए) ▪बायोप्सी (इन्यूक्लिएशन) ±
न्यूरोब्लास्टोमा (Neuroblastoma)	▪अल्ट्रासाउंड (Ultrasound) ▪बायोप्सी (Biopsy) ▪सी टी स्कैन (CT Scan) ▪बोन स्कैन (Bone Scan) ▪एम आई बी जी (MIBG) ▪स्केलेटल सर्वे (Skeletal survey) ▪यूरीन वी एम ए (Urine V M A) ▪बोन मैरो (Bone marrow) ▪पेट स्कैन (PET Scan)

जे एम एम एल (JMML)	▪ **हीमोग्राम (Hemogram)** ▪ **पेरिफेरल स्मीयर (PS)** ▪ **बोन मैरो ऐस्पिरेशन** ▪ **साइटोजेनेटिक्स(Cytogenetics)**
आर एम एस (RMS)	▪ बायोप्सी (Biopsy) ▪ सी टी स्कैन (CT Scan)/पेट सी टी (PET CT) ▪ एम आर आई (MRI)
पी एन ई टी (PNET)/ ईविंग्स सार्कोमा (Ewing's Sarcoma)	▪ सी टी/एम आर आई (CT/MRI) ▪ बायोप्सी (Biopsy) ▪ बोन मैरो (Bone Marrow) ▪ पेट सी टी (PET CT)
विल्म्स ट्यूमर (Wilms tumor) & हिपैटोब्लास्टोमा (Hepatoblastoma)	▪ अल्ट्रासाउंड (Ultrasound) ▪ सी टी स्कैन (CT Scan) ▪ चेस्ट एक्स-रे (Chest X-ray) ▪ कोएगुलेशन प्रोफाइल (Coagulation profile)

उपचार रूपरेखा

कीमोथेरपी	विकिरण-चिकित्सा	शल्य-चिकित्सा	अन्य
ये मौखिक /आई वी / आई एम/इंट्राथीकल मार्ग द्वारा दी जाती है। **अपने चिकित्सक के साथ कीमोथेरेपी के दुष्प्रभावों के बारे में चर्चा कर सकते हैं।**	शरीर के विभिन्न भागों जैसे गर्दन, छाती, पेट, मस्तिष्क आदि पर दी जाती है। **अपने चिकित्सक के साथ विकिरण-चिकित्सा के दुष्प्रभावों के बारे में चर्चा कर सकते हैं।**	सर्जरी, अंगों के ट्यूमर में आवश्यकता पड़ने पर, बाल चिकित्सा सर्जन/आर्थोपेडिक सर्जन / नेत्र रोग विशेषज्ञ द्वारा की जाती है।	✓(अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण ✓लक्षित चिकित्सा

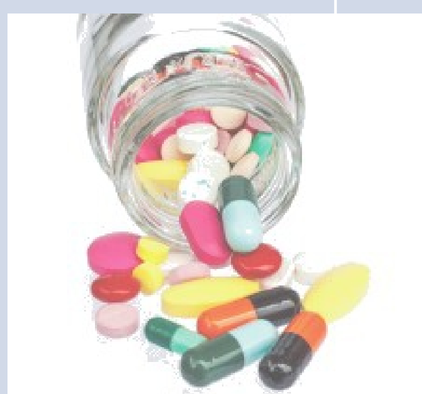

कैंसर उपचार के आम दुष्प्रभाव

कैंसर के इलाज का दो सबसे आम प्रकार कीमोथेरेपी और विकिरण चिकित्सा दोनों ही न केवल तेजी से बढ़ रही कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करते हैं बल्कि स्वस्थ कोशिकाओं को भी मार देते हैं जिससे कि अवांछित प्रभाव या दुष्प्रभाव हो सकते हैं।

मतली और उल्टी आना : इसका कैसे सामना कर सकते हैं –

- खाना धीरे-धीरे खाएं और धीरे-धीरे पानी पियें।
- थोड़ा-थोड़ा कई बार भोजन करें, एक साथ अधिक भोजन न खाएं।
- अधिक गंध वाले खाद्य पदार्थों से बचें।
- भोजन को ठंडा करके खाएं।

स्वाद और गंध में बदलाव लगना:

- कमरे के तापमान पर भोजन परोसें।
- बहुत ज्यादा गंध वाला खाना न बनाएं जैसे तेज़ तड़का न लगाएं।
- बच्चे को रोज़ वाले खाने से कुछ अलग बना कर खिलाएं।
- बच्चे के मुंह की नियमित सफाई करें एवं उसे रोज़ ब्रश कराएं मुंह की सफाई स्वाद को कुछ ठीक करती है।

प्रतिरक्षा तंत्र का ठीक न रहना : कीमोथेरेपी अस्थि मज्जा की सफेद रक्त कोशिकाओं लाल रक्त कोशिकाओं और प्लेटलेट्स के बनने पर प्रभाव डालती है जिससे उनकी कमी हो जाती है। मरीजों को चाहिए कि वे-

- हाथों को ठीक प्रकार से धोएं।
- बीमार लोगों के साथ संपर्क से बचें जैसे कि जिन लोगों को ज़ुकाम या खांसी हो, उनसे बचें।
- घर का अच्छी तरह से पका हुआ खाना ही खाएं।
- महत्वपूर्ण "स" का ध्यान रखें "स्वच्छ" पानी "स्वच्छ" भोजन "स्वच्छ" वातावरण स्वयं की "स्वच्छता"।

दर्द: कुछ कीमोथेरपी दवाओं के प्रभाव से सिर दर्द मांसपेशियों में दर्द पेट दर्द या यहां तक कि अस्थायी तंत्रिका क्षति भी हो सकती है जिससे हाथ एवं पैरों में जलन सुन्न पड़ना झुनझुनी इत्यादि समस्याएं हो सकतीं हैं।

आंत्र पाचन में गड़बड़ी: इसका सामना करने के लिए आप –

- दुग्ध उत्पादों का उपयोग कम करें।
- रेशेदार सब्जियाँ / साबुत अनाज खाएं।

थकान : ये कैंसर के उपचार, कैंसर के दर्द और खून की कमी या कैंसर के साथ मुकाबला करने के भावनात्मक पहलुओं की वजह से हो सकती है। आप ऐसा कर सकते हैं–

- कई बार थोड़ी-थोड़ी नींद लें। ।
- थोड़ा चलें या हल्के व्यायाम करें।
- जो कार्य आपको मुश्किल या थकाऊ लगें उसमे आप अपने दोस्तों तथा परिवार की मदद ले लें।
- जो काम आपको बहुत महत्वपूर्ण लगते हों उन कार्यों के लिए अपनी ऊर्जा बचा कर रखें या उन्हें पहले करें।
- अपने डॉक्टर से बात करे।

संक्रमण !!

रक्त कणिकाओं की कमी के अलावा कीमोथेरेपी का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण दुष्प्रभाव

कैंसर उपचार के आम दुष्प्रभाव

त्वचा / नाखून में बदलाव : कीमोथरेपी, आमतौर पर त्वचा में चकत्ते लाली फफोले त्वचा की छिलन व जलन का कारण बन सकती है - खासकर कि अगर बच्चे को विकिरण चिकित्सा कीमोथरेपी से पहले मिली हो। ऐसे में आप ऐसा कर सकते हैं-

- परेशानी को कम करने के लिए ढीले मुलायम सूती कपड़े पहनें।
- क्रीम मलहम और सनस्क्रीन का उपयोग कर सकते हैं।

बाल झड़ना : ऐसा कीमोथेरेपी और विकिरण चिकित्सा के कारण होता है।

- अपने बच्चे को समझाएं कि उसके बाल वापस आ जाएंगे हालांकि, बाल एक अलग रंग या बनावट के हो सकते हैं।

मुंह के छाले: इसकी वजह से मुंह में दर्द और संक्रमण, खाने-पीने और निगलने में कठिनाई हो सकती है। आप ऐसा कर सकते हैं-

- मौखिक स्वास्थ्य को बनाए रखें
- अपने मुंह को साफ़ रखें।
- अगर ज़रुरत पड़े तो अपने दंत चिकित्सक से मिलें।
- ब्रश करने के लिए एक नरम बाल वाले ब्रश का चयन करें।
- कप सादे पानी में आधा चम्मच नमक आधा चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर घोल बनाएं और उससे गरारे करें।
- तरल पदार्थों का खूब सेवन करें।
- बर्फ के टुकड़े मौखिक जेल या दर्दनाशक दवाओं का डॉक्टर से पूछकर प्रयोग करें।
- ये पता लगाएं कि मुंह की ये जलन फफूंद या हर्पीज़ संक्रमण की वजह से तो नहीं है।

रक्त की कमी : सामान्य कमजोरी और पीलापन खून की कमी हो सकती है। आप ऐसा कर सकते हैं–

- हरी पत्तेदार सब्जियां / दाल / लाल रंग की सब्जियां और फल खाएं।
- मेवे खाएं।
- दूध के उत्पादों का सेवन करें।

प्लेटलेट्स कम होना : किसी अंग से खून आना या त्वचा पर लाल / भूरे रंग के धब्बे पड़ना

- आपको अपने डॉक्टर से तुरंत परामर्श करना चाहिए। प्लेटलेट्स चढ़ाने की आवश्यकता पड़ सकती है।

यौन और प्रजनन कार्यों में समस्या: अपने डॉक्टर से बात करें।

विकिरण चिकित्सा के दुष्प्रभाव: आमतौर ये इस बात पर निर्भर है की विकिरण किस क्षेत्र में दी गयी है विकिरण की मात्रा क्या है शरीर के किस अंग में मिली है तथा प्रकार आंतरिक या बाह्य विकिरण क्या है। विकिरण दुष्प्रभाव आमतौर पर निम्नलिखित होते हैं –

- थकान
- त्वचा में परिवर्तन
- आंत्र पाचन में गड़बड़ी
- बाल झड़ना
- श्रोणि (कमर) के आस-पास मिली विकिरण कभी कभी प्रजनन कार्यों को भी प्रभावित करती है।

संक्रमण !!
रक्त कणिकाओं की कमी के अलावा कीमोथरेपी का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण दुष्प्रभाव

इलाज शुरू करने से पहले ध्यान रखने योग्य बातें

- ✓ आपको अपने बच्चे के रोग के बारे में अपने डॉक्टर से अच्छी तरह समझना चाहिए।
- ✓ हमेशा डॉक्टर की बात सावधानी पूर्वक सुनें जो आपको इलाज और देखभाल के बारे में बताई जाती है।
- ✓ कीमोथेरेपी के लिए धन राशि और रहने के स्थान की व्यवस्था करें।
- ✓ बच्चे को संक्रमण से बचाया जाना चाहिए। आपके डॉक्टर उसकी देखरेख के बारे में निर्देश देंगे।
- ✓ साफ हाथ, साफ पानी, साफ भोजन और साफ परिवेश सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं।
- ✓ यह बेहतर है कि जब आपके बच्चे का इलाज शुरू हो जाता है और उसे रहने का स्थान मिल जाता है तो माता – पिता / अभिभावकों में से एक व्यक्ति इलाज के लिए बच्चे के साथ रह सकता है और परिवार के बाकी लोग घर जाकर अपना काम संभाल सकते हैं।
- ✓ यदि डॉक्टर आपसे कहता है तो आपको खून की व्यवस्था करनी   होगी।

उपलब्ध उपचार सुविधाएं

दिवस उपचार सुविधा **(Day Care Facility)**	➢**प्रक्रिया** ➢**रक्त जांच** ➢**कीमोथेरपी** ➢**रक्त घटक थेरेपी** ➢**इंट्रावेनस इन्फ्यूजन** ➢**आपको उपरोक्त दिवस उपचार सेवाओं को लेने के लिए कुछ घंटों के लिए (शॉर्ट-एडमिशन) भर्ती होना पड़ेगा।**
ओ पी डी सुविधाएं	चिल्ड्रन ओ पी डी **बुधवार एवं शनिवार सुबह 9:00 बजे**
	पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी क्लिनिक **सोमवार सुबह 9:00 बजे**
	पीडियाट्रिक कैंसर सर्वाइवर क्लिनिक (PCSC) **बृहस्पतिवार दोपहर 2.00 बज़े**

Residential facilities available to cancer patients

Rajagadia Dharamshala Near AIIMS

Sai Sadan & Surekha Sadan Dharamshala Near AIIMS

St udes Dharamshala (Noida)

Home Away Home Kotla Mubarakpur (Cankids)

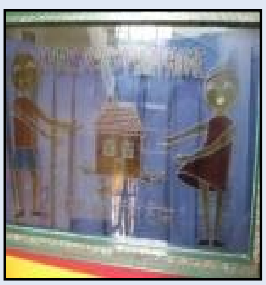

To Avail residential facilities, get forms from your treating doctor/social worker

Financial (Medical) Assistance

Government and non-government organizations provide help for cancer treatment. For more information and to avail these facilities, please do talk to your social worker and doctor.

Government Organizations

The AIIMS Hospital Poor Fund

Prime Minister Relief Fund

Rashtriya Arogya Nidhi (RAN)

Rajya Arogya Nidhi (State fund)

AIIMSONIAN Poor Fund

Non- Government Organizations

CANKIDS..KIDSCAN

CPAA

INDIAN CANCER SOCIETY

JIV DAYA FOUNDATION Dallas Texas

St Jude India ChildCare Centres

कैंसर का उपचार ले रहे सभी बच्चों के माता- पिता हेतु निर्देश एवं परामर्श

क. मुखीय स्वच्छता

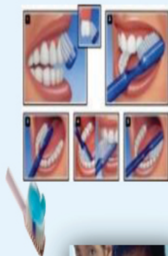

1. बच्चे के खाने अथवा पीने के बाद हर बार 2% बीटाडीन से गरारा कराये तथा मुँह साफ करें।
2. रात को सोने से पहले बच्चे को नरम ब्रश से ब्रुश कराये।

3. यदि बच्चों में मुखीय अल्सर हो रहा है तो, लोट्रेल/कैंडिड लोशन का प्रयोग करें।

ख. सामान्य स्वच्छता

1. प्रतिदिन बच्चे को स्नान कराये/यदि बच्चा बीमार है तो तौलिए से साफ कर दें।
2. कपड़े प्रतिदिन बदलें।
3. मास्क पहनें और बच्चे को भी पहनाएँ।
4. रोगी को किसी अन्य व्यक्ति से भेंट नहीं करानी चाहिए, उस व्यक्ति को किसी भी तरह का संक्रमण हो सकता है।
5. बच्चे के परिजन अपने आप को भी साफ़ रखे।

ग. हाथ धोना

1. रोगी को छूने से पहले अपने हाथ साबुन तथा पानी से अच्छी तरह धोने चाहिये।

2. बच्चे को खाना खिलाने से पहले हाथ धोये।

3. शौचालय जाने के बाद साबुन से हाथ धोये।
4. यदि पानी उपलब्ध न हो तो जीवाणुहीन (STEILIUM/PUREHAND) से साफ करें।

घ. कमरे की स्वच्छता

1. जिस कमरे में रोगी का उपचार हो रहा हो, उस कमरे में जूते/चप्पल न ले जाएें, एवं जिस कमरे में बच्चा और आप रहे उस कमरे को भी साफ़ रखे।

ड. सुरक्षित भोजन एवं पानी

1. केवल भली-भाँति पका हुआ भोजन ही खाये।
2. गली में रेहड़ी पर बेचने वालों से खाना नहीं लेना चाहिए।
3. पीने के लिए उबालकर ठण्डा किया पानी ही प्रयोग करें।

च. टीका

1. उपचार अवधि के दौरान परिवार में रोगी तथा अन्य भाई-बहनों को मुखयी पोलियो टीका न दें।
2. खसरा तथा एम एम आर (MMR) टीका न लगवाये।
3. चिकित्सक से परार्मश के बाद आप चेचक तथा हेपेटाइटिस बी का टीका लगवा सकते है।

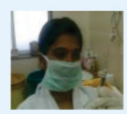

छ. सिट्ज़ बाथ

1. बच्चे को सिट्ज़ बाथ जरूर कराये। बच्चे को गुनगुने पानी से भरे साफ़ टब में नियमित रूप से बैठाये।

⊙अपने बच्चे का इलाज सही तरीके से व समय से कराये।

⊙डाक्टर की सलाह पर पूरा ध्यान दें।

⊙बच्चे को यदि बुखार, अधिक खाँसी, उल्टी, मुँह में छाले, साँस में तकलीफ हो, कहीं से खून बहने लगे या बच्चा सुस्त हो जाए या खाना बंद कर दे; तुरन्त अपने डाक्टर से सलाह करें।

इमरजेंसी में तुरंत अपने डॉक्टर से सम्पर्क करें। हेल्प लाइन नंबर - 9810590067

कैंसर से पीड़ित बच्चे के इलाज में हम आपके साथ हैं

आप घबराइये नहीं अपना मनोबल बना कर रखे

आशावादी रहें

अपने डॉक्टर से बीमारी के बारे में समझे।

इलाज़ के खर्च का अनुमान डॉक्टर द्वारा बताया जाता है।

कैंसर के उपचार हेतु अस्पताल / सरकार से मदद मिलती है।

अस्पताल में आपके बच्चे की भर्ती एवं जांच भी मुफ्त कराई जा सकती है।

बाल रोग विभाग के सामाजिक कार्यकर्ता इस प्रक्रिया में आपकी सहायता करेंगे।

आपके लिए लाभदायक होगा

अन्य माँ बाप / रिश्तेदार, जो बच्चे का इलाज करा रहे हैं उनसे बीमारी के बारे में बातचीत करे। कोशिश करे की एक ही रिश्तेदार बच्चे का पूरा इलाज़ कराये। ताकि इलाज़ के बारे में और जरुरी जांच के बारे में पूरी जानकारी हो।

ब्लड डोनेशन अपने डॉक्टर के दिशा निर्देश में ब्लड बैंक में अवश्य करे, जो की आपके बच्चे के इलाज़ में काम आएगा एवं परिजनों को भी ब्लड डोनेशन के लिए जागरूक करे।

एम्स से मिलने वाली सुविधा

अस्पताल में आपको जेनेरिक मेडिसिन विभाग द्वारा अधिकतर दवाइयाँ मफ्ुत प्राप्त होती है।
रेलवे किराये में रियायत भी मिलती है।

आपके सुविधा के लिए हमने
सहायता मोबाइल नंबर - 9810590067
ईमेल - c3sambhav@gmail.com/ सहायता समूह है।

डॉक्टर की सलाह अवश्य माने।
जी हां!! बाल कैंसर का इलाज संभव है, यदि सही समय से एवं सही तरह से किया जाए।